हिंदी साप्ताहिक

द पब्लिक मैटर

संपादक : जीवन सिंह चपांवत से प्रकाशित PRGI No.UAHIN/26/A5401

● वर्ष - 01 ● अंक-15 ● चपांवत ● सोमवार 05 अक्टूबर 2026 ● पृष्ठ-4 ● मूल्य: 1/- रूपया

मंच से बकोड़ा तक 22 किमी से अधिक मोटर मार्ग के लिए 18.03 करोड़ रूपये का प्रस्ताव अंतिम चरण में, मोस्टा, बकोड़ा, ग्वाली व अकेड़ी के ग्रामीण होंगे लाभान्वित'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो



मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूरस्थ एवं सीमांत क्षेत्रों को बेहतर सड़क, बिजली, पेयजल और संचार सुविधाओं से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में लाने के संकल्प के अनुरूप जनपद चम्पावत के दूरस्थ बकोड़ा एवं आसपास के गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। सड़क संपर्क मजबूत होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ ही कृषि, उद्यान, पर्यटन एवं स्थानीय आजीविका की संभावनाओं को भी नई गति मिलेगी। बकोड़ा गांव में आवागमन को सुगम बनाने के लिए अश्व मार्ग की सफाई एवं सुधार हेतु 8 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। कार्य वर्तमान में अंतिम चरण में है तथा इसे 15 से 17 अक्टूबर के मध्य, दशहरा से पूर्व पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। मार्ग के व्यवस्थित हो जाने से स्थानीय स्तर पर वाहनों के माध्यम से आवश्यक सामग्री एवं उत्पादों के परिवहन में भी सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीणों को दैनिक जरूरतों की सामग्री पहुंचाने के साथ कृषि एवं उद्यान उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी।

क्षेत्र की दीर्घकालीन सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल आगे बढ़ रही है। अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई चम्पावत वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मंच से बकोड़ा तक 22 किमी से अधिक लंबे मोटर मार्ग का प्रस्ताव पीएमजीएसवाई के अंतर्गत लगभग 1803 लाख रूपये की लागत से तैयार किया गया है। सड़क निर्माण के लिए केंद्र स्तर पर प्री-ईसी की प्रक्रिया हो चुकी है तथा आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद सड़क निर्माण की कार्रवाई शीघ्र आरम्भ की जाएगी। इस मोटर मार्ग के निर्माण से मोस्टा, बकोड़ा, ग्वाली और अकेड़ी सहित आसपास के गांवों की बड़ी आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया सड़क बनने से दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों की आवाजाही सुगम होने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच बेहतर होगी। किसानों एवं बागवानों के लिए अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना आसान होगा, जिससे कृषि और उद्यान आधारित आजीविका को बढ़ावा मिलने की संभावना है।इसके साथ ही क्षेत्र को शारदा कॉरिडोर से आच्छादित करने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र में विद्युत, पेयजल एवं नेटवर्क कनेक्टिविटी की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। अब सड़क संपर्क को और मजबूत किए जाने से इस दूरस्थ क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार होगा।मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जनपद के अंतिम छोर पर बसे गांवों तक मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बकोड़ा एवं आसपास के गांवों में कनेक्टिविटी के विस्तार से न केवल ग्रामीणों का आवागमन सुगम होगा, बल्कि कृषि, उद्यान, पर्यटन एवं स्वरोजगार की नई संभावनाओं के द्वार भी खुलेंगे।

बागेश्वरःगुलदार से भिड़ीं बागेश्वर की दो साहसी महिलाएं, मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित





बागेश्वर।वन्यजीवों के हमले के दौरान अदम्य साहस, सूझबूझ एवं आत्मरक्षा का परिचय देने वाली बागेश्वर वन प्रभाग की दो साहसी महिलाओं, प्रेमा जोशी एवं हेमा जोशी ग्राम पाटली तहसील गरूड़ को मुख्यमंत्री द्वारा थ्त् देहरादून के प्ब्थ्त्म् सभागार में दिनांक 01 अक्टूबर को आयोजित वन्यजीव सप्ताह 2026 के अवसर पर मानव वन्यजीव संघर्ष के क्षेत्र में साहसिक कार्य करने पर सम्मानित किया गया।दिनांक 03 सितंबर 2026 को बैजनाथ क्षेत्र के ग्राम पाटली में कृषि कार्य के दौरान प्रेमा जोशी पत्नी हेम चन्द्र जोशी पर गुलदार ने अचानक हमला कर दिया। इस अप्रत्याशित हमले के दौरान घायल महिला ने हिम्मत व सूझबूझ का परिचय देते हुए शोर मचाया तथा अपने पास मौजूद दराती से गुलदार का सामना करते हुए बचाव किया। प्रेमा जोशी की चीख-पुकार सुनकर पास के खेत में काम कर रही उनकी सहयोगी श्रीमती हेमा जोशी पत्नी विपिन चन्द्र जोशी द्वारा तुरन्त मौके पर पहुंचकर शोर मचाकर तथा दोनों महिलाओं के द्वारा किये गये प्रतिरोध के कारण गुलदार यहां से भाग गया। उन्होंने गुलदार का डटकर मुकाबला किया और अपनी जान बचाने में सफल रहीं। विपरीत परिस्थितियों में उनके द्वारा प्रदर्शित साहस और आत्मविश्वास अत्यंत सराहनीय है।दोनों महिलाओं को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जाना न केवल उनके व्यक्तिगत साहस और दृढ़ संकल्प का सम्मान है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में वन्यजीवों के साथ उत्पन्न होने वाली चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में धैर्य, जागरूकता एवं आत्मरक्षा के महत्व को भी रेखांकित करता है।इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी बागेश्वर श्री प्रकाश चन्द्र आर्य ने दोनों महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनका साहस एवं धैर्य पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उप-प्रभागीय वनाधिकारी बागेश्वर द्वारा भी दोनों महिलाओं को पुरस्कृत किये जाने पर शुभकामनाएं दी। वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व बनाए रखने के साथ-साथ मानव जीवन की सुरक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे साहसिक उदाहरण समाज में जागरूकता बढ़ाने और विपरीत परिस्थितियों में धैर्य एवं सूझबूझ से कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।बागेश्वर वन प्रभाग इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए दोनों महिलाओं के साहस एवं जज्बे को नमन करता है।

जीवन सिंह

संपादकीय

भारतीय कूटनीति की सफलता

ब्रिक्स के जरिए विकासशील देशों में आपसी सहयोग की जमीन तैयार हुई है, इसकी पुष्टि नई दिल्ली में हुई। यह भी जाहिर हुआ कि भारत और चीन के संबंध में सुधार ब्रिक्स+ की प्रगति के लिए अनिवार्य है।साझा बयान पर सहमति बन जाना ब्रिक्स+ के 18वें शिखर सम्मेलन की बड़ी कामयाबी रही। इसका काफी श्रेय मेजबान भारत को दिया जाएगा। पश्चिम एशिया के युद्ध में एक-दूसरे के खिलाफ खड़े ईरान और संयुक्त अरब अमीरात को एक वक्तव्य पर सहमत कर लेना भारतीय कूटनीति की सफलता मानी जाएगी। कहा जा सकता है कि ब्रिक्स+ के नई दिल्ली घोषणापत्र की भाषा नरम है, जिसमें ठोस मुद्दों पर अक्सर प्रत्यक्ष उल्लेख से बचा गया है। फिर भी इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि वक्तव्य में ब्रिक्स+ की सोच, दिशा, और मकसद का विस्तार से जिक्रहुआ।एकतरफा जबरिया कार्रवाई की निंदा, टैरिफ के जरिए मुक्त व्यापार विरोधी कदम की आलोचना, गजा में फिलस्तीनियों के बेदखली का विरोध, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के ढांचे में सुधार का समर्थन, आपसी कारोबार अपनी मुद्रा में करने का इरादा, और विकासशील देशों के बीच सहयोग आदि का स्पष्ट उल्लेख कर ब्रिक्स+ देशों ने साफ संदेश दिया कि मौजूदा वैश्विक परिस्थिति में वे कहां खड़े हैं।

कैबिनेट बैठक के लिए तैयारियां गतिमान, उत्तराखंडी लोक-शैली से भव्य रूप में की जा रही सजावट'



द पब्लिक मैटर ब्यूरो

जनपद चंपावत में पहली बार आयोजित होने जा रही राज्य मंत्रिमंडल की बैठक (कैबिनेट बैठक) के लिए प्रशासनिक तैयारियां गतिमान हैं। इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए जिला प्रशासन चंपावत द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं मुस्तैद की जा रही हैं।आयोजन स्थल NHPC परिसर भवन बनबसा एवं अन्य स्थलों को विशेष रूप से उत्तराखंड की पारंपरिक और समृद्ध लोक-संस्कृति की थीम पर सजाया गया है।

भवन की दीवारों और प्रांगण में उकेरी गई ऐंपण कला राज्य की सांस्कृतिक धरोहर की एक जीवंत झलक प्रस्तुत कर रही हैं, जो यहां आने वाले सभी अतिथियों और वरिष्ठ महानुभावों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।इसी क्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार द्वारा आयोजन स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। मुख्य बैठक स्थल से लेकर अतिथियों के प्रवास, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए अधिकारियों द्वारा लगातार समीक्षा कर शेष बचे कार्यों को तेजी से अंतिम रूप दिया जा रहा है।

चम्पावत जनपद में नशा मुक्ति हेतु विशेष पखवाड़ा अभियान की रूपरेखा तैयार, सितंबर से जनवरी तक आयोजित होंगी विविध गतिविधियां'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो

मादक पदार्थों के नियंत्रण एवं दुरुपयोग की रोकथाम के उद्देश्य से भारत सरकार और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा निर्धारित पखवाड़ावार विशेष अभियानों के अंतर्गत चम्पावत जनपद में व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं नशा निरोधक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार द्वारा जनपद के समस्त संबंधित अधिकारियों, शैक्षणिक संस्थानों और विभागाध्यक्षों को आगामी एक वर्ष के लिए निर्धारित कैलेंडर के अनुसार समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत सितंबर 2026 में जनपद के समस्त विद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रमों एवं शपथ ग्रहण समारोहों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें समाज कल्याण, शिक्षा, पुलिस एवं युवा कल्याण विभाग की सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

अक्टूबर माह में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा तथा जनपद के प्रमुख स्थलों पर वाल पेंटिंग के माध्यम से नशा विरोधी संदेश दिए जाएंगे।

नवंबर माह में शिक्षण संस्थानों में पोस्टर, स्लोगन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जबकि दिसंबर माह में खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा।



मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जनपद चम्पावत में मत्स्य पालन को मिल रही नई दिशा, कल्याणकारी योजनाओं से कृषक एवं मत्स्य पालक हो रहे सशक्त'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो

पुष्कर सिंह धामी के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में जनपद चम्पावत में मत्स्य पालन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखने को मिल रही है। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से जनपद के कृषकों, युवाओं तथा मत्स्य पालकों को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। जिला मत्स्य अधिकारी ने बताया कि जिला योजना, राज्य पोषित मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना और केंद्र पोषित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मत्स्य पालकों को बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता और सब्सिडी प्रदान की जा रही है। जनपद के पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए पालीलाइनर मत्स्य तालाब निर्माण, तालाब सुधार, ट्रॉउट रेसवेज निर्माण, स्मॉल बायोफ्लॉक यूनिट, आर.ए.एस. तथा बत्तख व मुर्गी बाड़ा निर्माण जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर सामान्य वर्ग के लिए 40 से 50 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व महिला लाभार्थियों के लिए 60 प्रतिशत तक का अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही जल संरक्षण और मत्स्य बीज संचय हेतु जनजागरूकता गोष्ठियों तथा मत्स्य उत्पादों के मूल्य संवर्धन एवं व्यंजन निर्माण हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे युवाओं को स्वरोजगार के बेहतरीन अवसर प्राप्त हो रहे हैं। मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि करने तथा ताजा मछलियों के विपणन को सुगम बनाने के उद्देश्य से श्मत्स्य सहेलीश योजना, फिश क्योस्क की स्थापना और मोटर साइकिल विद आइस बॉक्स जैसी सुविधाएं अनुदान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही पंचेश्वर एवं चुका जैसे क्षेत्रों में एंग्लिंग मीट का आयोजन कर मत्स्य पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। योजनाओं का लाभ उठाने हेतु इच्छुक कृषक एवं लाभार्थी अपनी जमीन की खसरा-खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, पासपोर्ट साइज फोटो एवं शपथ पत्र के साथ मत्स्य विभाग में आवेदन कर सकते हैं।

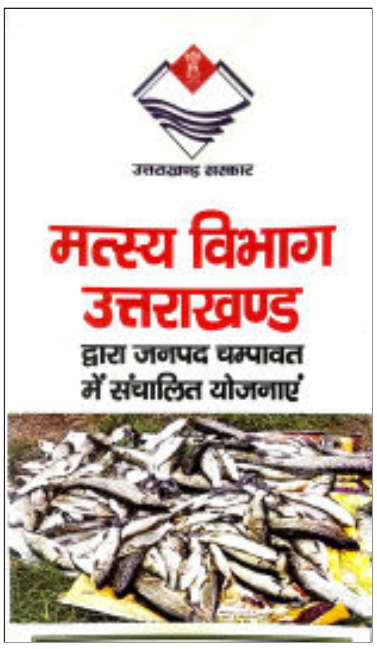

मुख्यमंत्री के प्रयास ला रहे रंग, चम्पावत के 38 गांव जल्द जुड़ेंगे मोटरेबल रोड से'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो

मुख्यमंत्री के प्रयास ला रहे रंग, चम्पावत के 38 गांव जल्द जुड़ेंगे मोटरेबल रोड से'

'पीएमजीएसवाई स्टेज-4 को लेकर भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय स्तर पर महत्वपूर्ण बैठक, दूरस्थ गांवों की सड़क कनेक्टिविटी को मिलेगी नई गति'

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जनपद चम्पावत के दूरस्थ एवं सीमांत क्षेत्रों को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ने के निरंतर प्रयास धरातल पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) स्टेज-4 के अंतर्गत जनपद के 38 गांवों को मोटरेबल सड़क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। योजना को लेकर भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक हुई है, जिससे इन गांवों की सड़क कनेक्टिविटी के मार्ग प्रशस्त होंगे।



पीएमजीएसवाई स्टेज-4 के अंतर्गत प्रस्तावित सड़क संपर्क से विशेष रूप से उन ग्रामीण क्षेत्रों को लाभ मिलेगा, जहां वर्तमान में सुगम मोटर मार्ग की सुविधा उपलब्ध नहीं है। मोटरेबल सड़क बनने से ग्रामीणों की दैनिक आवाजाही आसान होने के साथ आपातकालीन परिस्थितियों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बेहतर होगी तथा विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। साथ ही किसानों एवं बागवानों को अपने कृषि एवं उद्यान उत्पाद बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी। बेहतर सड़क संपर्क से स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार, पर्यटन एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ दूरस्थ क्षेत्रों के समग्र सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जनपद के सड़क सुविधा से वंचित एवं दूरस्थ गांवों को प्राथमिकता के आधार पर सड़क नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। पीएमजीएसवाई स्टेज-4 के माध्यम से 38 गांवों के मोटरेबल सड़क से जुड़ने पर ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलने के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यान एवं स्थानीय आजीविका के अवसरों को भी मजबूती मिलेगी।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को भारत सरकार के स्तर पर चल रही प्रक्रिया से जुड़े सभी आवश्यक प्रस्तावों एवं औपचारिकताओं पर प्रभावी पैरवी करते हुए तेजी से कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

चम्पावत में सड़कों के गढ्ढा मुक्त अभियान के साथ मलबा सफाई, झाड़ी कटान और नाली सफाई का कार्य युद्धस्तर पर जारी'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सुरक्षित, सुगम और गड्ढामुक्त सड़कों के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से जनपद चम्पावत में सड़क सुदृढ़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण की व्यापक रूप से गतिमान है।

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं निरंतर निरीक्षण में जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग (लोनिवि), राष्ट्रीय राजमार्ग खंड और पीएमजीएसवाई की टीमें पूर्ण मुस्तैदी के साथ धरातल पर जुटी हुई हैं।

गत वर्षा के बाद जिले के यातायात को पूरी तरह सुरक्षित और निर्बाध बनाने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण के साथ बहुआयामी कदम उठाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में जिले के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों, जिला मार्गों एवं सुदूर ग्रामीण संपर्क मार्गों पर पैच मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही वर्षा के दौरान भूस्खलन व कटाव से सड़कों पर आए मलबे व बोल्डरों को क्रेन और जेसीबी मशीनों के माध्यम से तत्काल हटाकर रास्तों को चौड़ा और सुरक्षित बनाया जा रहा है।

सड़कों को जलभराव की समस्या से बचाने के लिए वर्षा जल निकासी हेतु नालियों की विशेष और गहन सफाई कराई जा रही है। वहीं, मोड़ों एवं संवेदनशील स्थानों पर दृश्यता (टपे. पइपसपजल) बेहतर करने तथा सड़क



हादसों को रोकने के उद्देश्य से सड़कों के किनारे उगी झाड़ियों का भी योजनाबद्ध तरीके से कटान किया जा रहा है।

जिलाधिकारी द्वारा सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण व मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएं। जिला प्रशासन की इस सक्रिय निगरानी और विभागों के समन्वित प्रयासों से जनपद की यातायात व्यवस्था अत्यंत सुरक्षित और सुगम बन रही है।

मुख्यमंत्री के धार्मिक पर्यटन विकास के संकल्प को मिल रही मजबूती, 1.66 करोड़ रूपये की लागत से भोलेश्वर मंदिर का होगा सौंदर्यीकरण'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो

पुष्कर सिंह धामी के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को विकसित कर प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के संकल्प के अनुरूप जनपद चम्पावत में धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविध एं विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में विकास खण्ड चम्पावत की ग्राम पंचायत मटेला के राजस्व ग्राम भगानीखोत स्थित भोलेश्वर मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं विकास के लिए 166.47 लाख रूपये (लगभग 1.66 करोड़ रूपये) की लागत से विभिन्न कार्य प्रस्तावित किए गए हैं।



अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग सुनील दत्ताल ने जानकारी देते हुये बताया प्रस्तावित योजना के अंतर्गत भोलेश्वर मंदिर परिसर को धार्मिक स्वरूप के अनुरूप आकर्षक एवं सुविध ाजनक बनाया जाएगा। यहां त्रिशूल, ध्वज स्तम्भ, दीप स्तम्भ एवं बड़ी घंटी की स्थापना के साथ ही धूनी शेड का निर्माण प्रस्तावित है। श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों की सुविधा के लिए शौचालय, पेयजल टैंक, ड्रेनेज व्यवस्था, सार्वजनिक बेंच एवं विश्राम स्थल भी विकसित किए जाएंगे।

मंदिर एवं आसपास के परिसर को आकर्षक स्वरूप देने के लिए सोलर/हाई लाइट तथा फैसाड लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही स्वागत द्वार, पाथवे सुधार एवं समतलीकरण, डस्टबिन तथा उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद (न्क्ठ) के साइनेज लगाए जाने का भी प्रस्ताव है। योजना में धार्मिक संरचनाओं एवं सौंदर्यीकरण के साथ प्रकाश व्यवस्था, आगंतुक सुविधाओं और सार्वजनिक संरचनाओं के विकास को प्राथमिकता दी गई है।

भोलेश्वर मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं सुविधाओं के विकास से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ क्षेत्र की धार्मिक एवं पर्यटन पहचान को भी नई मजबूती मिलेगी। इससे भगानीखोत एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के अवसर बढ़ने की भी संभावना है।

गांधी एवं शास्त्री जयंती पर हिमाद्री एम्पोरियम में हुआ स्वदेशी व 'वोकल फॉर लोकल' कार्यक्रम का आयोजन, उद्यमियों को किया गया सम्मानित'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की



जयंती के पावन अवसर पर जिला उद्योग केंद्र द्वारा पुनेठी स्थित हिमाद्री एम्पोरियम में एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस विशेष अवसर पर स्थानीय उत्पादों और खादी को बढ़ावा देने हेतु विशेष स्टॉल लगाए गए तथा आमजन को स्वदेशी अपनाने के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनपद में खादी एवं स्थानीय उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करना तथा क्षेत्रीय स्वरोजगार एवं उद्यमिता को नया आयाम देना रहा। समारोह के दौरान जनपद में स्वदेशी उत्पादों के निर्माण एवं उद्यमिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्थानीय उद्यमियों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही, केंद्र में आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनी मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के चयनित लाभार्थियों को विधिवत प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।वक्ताओं ने अपने संबोधन में खादी को स्वावलंबन का आधार बताते हुए 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर बल दिया।

अंडर-19 हैंडबॉल में चम्पावत की बेटियों ने रचा इतिहास, ऊधमसिंह नगर को 13-8 से हराकर बनीं राज्य चौंपियन'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो

मुख्यमंत्री के खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के प्रयासों को मिल रही मजबूती, राज्य स्तर पर चमकीं चम्पावत की बेटियां'



. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और युवाओं को खेलों के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयासों के बीच जनपद चम्पावत की बेटियों ने राज्य स्तर पर शानदार उपलब्धि हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री चौंपियनशिप खेल महाकुंभ के अंतर्गत आयोजित अंडर-19 बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता में चम्पावत की टीम राज्य चौंपियन बनी है। देहरादून में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में चम्पावत की बालिकाओं ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए ऊधमसिंह नगर को 13-8 गोल से पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

खेल विभाग के हैंडबॉल कोच श्री महेश चुफाल के नेतृत्व में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। विजेता टीम में आँचल गोस्वामी, प्रियंका खोलिया, सोन्या वर्मा, प्रियांशी, रिया, गरिमा बिष्ट, यशवनी, अक्षिता वर्मा, संगीता एवं निधि नारायण शामिल रहीं।चम्पावत की बेटियों की यह उपलब्धि जनपद के लिए हर्ष और गौरव का विषय होने के साथ ही अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है।जिलाधिकारी मनीष कुमार ने इस शानदार उपलब्धि पर पूरी टीम, कोच एवं खेल विभाग को बधाई देते हुए खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि चम्पावत की बेटियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प से राज्य स्तर पर जनपद का नाम रोशन किया है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि जनपद की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाएगा।

द पब्लिक मैटर

स्वामी, प्रकाशक जीवन सिंह द्वारा मुद्रक योगेश कुमार, विशाल दर्पण प्रेस 50/51, नारी शिल्प मदिंर मार्ग, चकराता रोड देहरादून, उत्तराखंड -248001 से मुद्रित तथा मकान नंबर 93, जिला पंचायत गेट, पिथौरागढ़ रोड, कर्नाटक अस्पताल के पास, चंपावत, उत्तराखंड - 262523 से प्रकाशित। PRGI No.UAHIN/26/A5401

संपादक : जीवन सिंह -7500344495/ Email: jeewanbisht888@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी है। समस्त विवाद चंपावत न्यायालय के अधीन होंगे।

"इस प्रकाशन की सामग्री के संबंध में समस्त उत्तरदायित्व प्रकाशक एवं संपादक का होगा। प्रिंटिंग प्रेस केवल मुद्रण सेवा प्रदाता है।"